होम्योपैथिक मेडीकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया

का इतिहास – डॉ. आर.के. चतुर्वेदी

साहित्य समाज का दर्पण होता है होम्योपैथिक मेडीकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया क्या है? इसका इतिहास क्या है? आईये इस पर सिंघावलोकन करें।

डॉ. हैनीमैन (1755-1843) ने 1796 में होम्योपैथी का आविष्कार किया, होम्योपैथी का प्रचार-प्रसार यूरोप महाद्वीप में इग्लैंड (1827), एशिया महाद्वीप भारत में (1835), पाकिस्तान (1835), चीन, रूस (1823), अफ्रीका (1938), आस्ट्रेलिया (1850), उत्तरी अमेरिका (1825), एवं दक्षिण अमेरिका (1818), में अर्थात हैनीमेन के जीवनकाल में ही होम्योपैथी विश्व के विभिन्न देशों में फैल चुकी थी। अमेरिका में होम्योपैथी डॉ. एच.बी. ग्राम (1786-1840) द्वारा 1825 में लाई गई जिन्होने स्वयं हैनीमैन से होम्योपैथी का ज्ञान प्राप्त किया तथा डॉ. करोल डनहम ने 1876 में प्रथम विश्व होम्योपैथिक कांग्रेस आयोजित की।

भारत में 1810 में होम्यापैथी कुछ जर्मन मिशनरी के कार्यकर्ताओं के साथ आई। परन्तु जॉहन् मार्टिन हॉनिग्वर्गर ने डॉ. हैनीमैन से 1835 से 1839 तक होम्यापैथी का ज्ञान प्राप्त कर 1839 में दूसरी बार जब वे भारत आए तब होम्योपैथी का ज्ञान तथा दवा दोनों ही साथ लाए और पंजाब के राजा, महाराजा रणजीत सिंह को 1839 में पक्षाघात रोग में डल्कामारा औषधि देकर उनका उपचार किया। इस प्रकार रोग आरोग्य किए जाने का प्रमाण ही होम्यापैथी का भारत में अभ्युदय को प्रमाणित करता है।

भारत में होम्योपैथी को जनता के समर्थन का एक और प्रमाण वर्ष 1870 में मिलता है जब महाराजा जयपुर के मोतियाबिंद उपचार के लिए कलकत्ता से डॉ. सल्जर को भेजा गया। सन 1943 में भारत के कुछ प्रदेशों में होम्योपैथी का डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ हुआ। होम्योपैथी का प्रथम होम्योपैथिक कन्वेंशन कलकत्ता में दिसंबर 1949 को संपन्न हुआ। वर्ष 1868 में कलकत्ता जर्नल ऑफ मेडिसिन का प्रकाशन होम्योपैथी के योगदान एवं प्रचार प्रसार में मील का पत्थर साबित हुआ, जिसका प्रकाशन एवं संपादन डॉ. एम. एल. सरकार ने किया। सन 1938 में इंडो जर्मन होम्योपैथिक रिव्यू नामक जरनल का प्रकाशन डॉ. मैडस एंड कंपनी रेडएबीयू, डेसडन(जर्मनी) से प्रकाशित होकर पूरे विश्व में होम्योपैथी के प्रचार प्रसार हेतु भेजा जाने लगा, जिसके माध्यम से होम्योपैथी विश्व के अनेक देशों में विकसित हो गई ।

भारत में होम्यापैथिक चिकित्सकों के संगठनों में (All India Homoeopathic Medical Association) सबसे प्राचीन संगठन था जिसका गठन 1932 में किया गया। जिसके प्रमुख संगठनकर्ता डॉ. कैलाशनाथ काटजू थे उन्होंने इसकी शुरूआत उत्तरप्रदेश से की। इस संगठन द्वारा 1932-1970 तक 18 कांफ्रेस भारत के विभिन्न प्रमुख नगरों में की जिसमें प्रथम 1932 को कोलकाता में आयोजित की गई थी। इस संगठन के प्रमुख डॉ. योनन कोलकाता, डॉ. जे.एन. मजूमदार कलकत्ता, डॉ. पी.एल. श्रीवास्तव, डॉ. ओमान, डॉ. व्ही.डी.कश्यप लाहौर, डॉ. एन. एस जयसूर्या हैदराबाद, डॉ. युद्धवीर सिंह दिल्ली, डॉ. जुगुल किशोर दिल्ली, प्रमुख थे।

द्वितीय संघ All India Homoeopathi का गठन 1944 में हुआ डॉ. ए.एन.मुखर्जी कलकत्ता एवं डॉ. दीवान जयचंद (लाहौर), डॉ. दयाशंकर कायस्थ दिल्ली, डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव, डॉ. एस.पी. अस्थाना एवं डॉ. के.जी. सक्सेना दिल्ली, प्रमुख संगठनकर्ता थे, संगठन द्वारा 1950 में दिल्ली में प्रथम होम्योपैथिक कांफ्रेस आयोजित की गई एवं 1951 में लखनऊ में द्वितीय कांफ्रेस आयोजित हुई तथा 1976 में यह इंस्टीट्यूट (संगठन) (All India Homoeopathic Medical Association) में संबंद्ध (Merged) होकर (Homoeopathic Medical Association of India) का गठन हुआ। All India Homoeopathic Medical Association , व All India Institute of Homoeopathy A.I.H.M.A.+ A.I.I.H.=H.M.A.I.

दोनों संगठन में सर्वमान्य नेता के रूप में डॉ. जे. एन. कांजीलाल (31/08/1909-11/03/1985) ने मध्यस्थता करते हुये भारत के समस्त होम्योपैथ्स को एक छत के नीचे एच.एम.ए.आई. में लाने में सफलता अर्जित करते हुए 26 अक्टूबर 1975 को HMAI का गठन किया। जिसका श्रेय डॉ. कांजीलाल एवं डॉ. के. जी. सक्सेना जी को जाता है। इसके गठन में डॉ. एम. सी. बत्रा अध्यक्ष एवं डॉ. जे. पी. श्रीवास्तव महासचिव ए.आई.आई.एच. की ओर से तथा डॉ. जुगल किशोर अध्यक्ष एवं डॉ. एच. एल. चितकारा महासचिव एम.आई.एच.एम. की ओर से प्रतिनिधि थे। एच.एम.ए.आई. के प्रथम अध्यक्ष के रूप में डॉ. जे.एन. कांजीलाल कलकत्ता एवं डॉ. डी.पी. रस्तोगी, नई दिल्ली, महासचिव निर्वाचित हुए। संगठन ने 17 प्रांतों में 227 शाखाएं गठित की एवं 7000 सदस्यों का यह वटवृक्ष एच.एम.ए.आई. होम्योपैथी के प्रगति पथ पर अग्रसर हुआ।

नई दिल्ली में रजिस्टार ऑफ सोसायटीज एडमिनिस्ट्रेशन में एच.एम.ए.आई. का पंजीयन क्रमांक 8418 तथा वर्ष 1977 दर्ज है जिसके अंतर्गत एच.एम.ए.आई. (हमाई) का प्रमाण पत्र 18 जनवरी

1977 को प्रदान किया गया, अतः शासकीय अभिलेख के अनुसार एच.एम.ए.आई. का जन्म 18 जनवरी 1977 है जबकि 26 अक्टूबर 1975 को इसका गठन औपचारिक तौर पर हुआ था दस्तावेजी प्रमाण में डॉ. जे. एन. कांजीलाल अध्यक्ष कोलकाता, डॉ. डी. पी. रस्तोगी नई दिल्ली सेक्रेटरी जनरल, डॉ. आर. के. देसाई अहमदाबाद ज्वाइंट सेक्रेट्री, डॉ. बी. बी. कार जमशेदपुर असिस्टेंट सेक्रेटरी, डॉ. दीवान हरिश्चंद्र कोषाध्यक्ष नई दिल्ली तथा डॉ. एच. एल. चितकारा नई दिल्ली चीफ एडिटर जर्नल पदाधिकारी थे । इनके अतिरिक्त डॉ. एम. पी. खूंटेटा जयपुर, डॉ. गुरुमान सिंह पटियाला, डॉ. अश्विनी कुमार लुधियाना, डॉ. आर. के. कपूर इलाहाबाद व डॉ. एम. सी. बत्रा मुंबई के हस्ताक्षर आवेदन में है इस दस्तावेज के साथ हमाई के संविधान की प्रति संलग्न की गई जिसमें संगठन की संपूर्ण कार्य प्रणाली को दर्शाया गया था।

होम्योपैथी के विकास में डॉ. राजेंद्र दत्त, बाबू राजेंद्र दत्त , डॉ. तोनेर (फ्रेंच), डॉ. महेंद्र लाल सरकार, डॉ. बी. के. बोस, डॉ. पी. सी. मजूमदार, डॉ. डी. एन. ब बेनर्जी , डॉ. बी. एन. राय, डॉ. अक्षय कुमार दत्ता और डॉ. चंद्रशेखर काली प्रमुख थे साथ ही डॉ. एल. डी. धावले, डॉ. दीवान जयचंद, डॉ. जे. एन. मजूमदार, कर्नल डॉ. अमीरचंद, डॉ. एम. गुरु राजा, डॉ. पी. एन. चोपड़ा ने भी होम्योपैथी के विकास में सहयोग दिया। सन 1952 में श्रीमती राजकुमारी अमृत कौर भारत की प्रथम स्वास्थ्य मंत्री ने होम्योपैथी के विकास हेतु एक कमेटी गठित की जिसका पुनर्गठन 1962 में हुआ, जिसमें डॉ. के. जी. सक्सेना प्रथम मानसेवी सचिव नियुक्त किए गए। सन 1995 में भारत सरकार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग का गठन किया। होम्योपैथीक फार्माकोपिया कमेटी 1962 में गठित की गई। सेंट्रल काउंसिल आफ होम्योपैथी का गठन 1973 में किया गया जो 5 जुलाई 2021 को समाप्त हो गई, जिसमे डॉ.एस. पी. एस. बख्शी अध्यक्ष, डॉ. रामजी सिंह अध्यक्ष, डॉ. अरुण भस्मे उपाध्यक्ष, डॉ. ललित वर्मा सेक्रेटरी सहित सभी सीसीएच मेंबर का विशेष योगदान होम्योपैथी कॉलेज के उन्नयन एवं चिकित्सा पद्धति में सुधार हेतु उल्लेखनीय रहा।

भारत सरकार में 1956 से 1995 तक होम्योपैथिक विभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित होता था, ततपश्चात 1995 में भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग के अंतर्गत होम्योपैथी का संचालन होता रहा। भारत सरकार ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ होम्योपैथी की स्थापना कोलकाता में 10 दिसंबर 1975 को की, सन 1975 में ही होम्योपैथिक फार्माकोपिया लैबोरेट्रीज गाजियाबाद यूपी में स्थापित की गई। सन 1967 में प्रथम एवं 1977 में द्वितीय इंटरनेशनल कांफ्रेस भारत में आयोजित की गई। 1983 में होम्योपैथिक फार्माकोपिया ऑफ इंडिया का चौथा संस्करण प्रकाशित किया गया। सन 2002 में

होम्योपैथिक सेंट्रल काउंसिल एक्ट संशोधित हुआ। दिनांक 20 नवंबर 1979 को तत्कालीन सेक्रेटरी जनरल डॉ. डी. पी. रस्तोगी जी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में एच.एम.ए.आई. (हमाई) की कुल 209 यूनिट थी, जो 1979-80 में नवीनीकरण होकर 352 हो गई थी। भारत के विभिन्न प्रांतों में हमाई की स्टेट ब्रांच और इकाइयों का गठन किया गया व नवीनीकरण भी संपन्न हुआ तथा सन् 1979 में जबलपुर, मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एवं प्रथम प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। भारत में होम्योपैथी के प्रचार प्रसार में एच.एम.ए.आई. का विशेष ही नहीं उल्लेखनीय योगदान है, सी.सी.एच. का इलेक्शन हो या अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस, होम्योपैथी के छात्र, चिकित्सक, कॉलेज, फार्मेसी तथा होम्योपैथी के विकास के समस्त बिंदुओं पर एच. एम. ए. आई. ने सतत प्रयास करते हुए होम्योपैथी को आगे बढ़ाया ।

अति महत्वपूर्ण कार्यों में जहां एन.ई.सी. की बैठक दिनांक 16.09.1996 के एजेंडा क्रमांक 7 में हमाई का ट्रस्ट बोर्ड का गठन किया गया जिसमें चार सदस्यों का मनोनयन जबलपुर की एन.ई.सी. बैठक दिनांक 31.03.1996 को हुआ था, जिसमें डॉ. आर. के. देसाई, डॉ. बी. वी. ढाकुलकर, डॉ. जे. एस. खन्ना और डॉ. जी. एन. मुखर्जी के नाम थे । आई. एच. जे. दिसंबर 2006 में प्रकाशित समाचार के अंतर्गत ट्रस्ट का गठन हुआ, जिसका नाम ट्रस्ट आफ होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया हेज बीन फर्मड अंडर सिक्स चौप्टर XI रूल 42 (ए एंड बी) ऑफ द एच आई जिसके मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. बी. सी. आचार्य कानपुर तथा चेयरमैन डॉ. महेंद्र सिंह कोलकाता, डॉ. डी. पी. रस्तोगी दिल्ली, डॉ. जे. एस. खन्ना जबलपुर, डॉ. एस. पी. एस. बक्शी दिल्ली, डॉ. रामजी सिंह पटना आदि संचालन समिति के सदस्य है।

दूसरा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला कार्य एच.एम.ए.आई. ने कोलकाता में हमाई भवन का निर्माण कराया, जिसका उद्घाटन 25 सितंबर 2016 को गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। एच.एम.ए. आई. के कुछ महत्वपूर्ण आधार स्तंभ चिकित्सकों में डॉ. एम. पी. आर्य, डॉ. पी. विष्णु, डॉ. रमैया, डॉ. आर. डी. मलिक, डॉ. यू. एस. चौधरी, डॉ. बी. भट्टाचार्य, डॉ. बी. सी. गुप्ता, डॉ. वासुदेव शर्मा, डॉ. आर. सी. प्रसाद एवं डॉ. एम. सी. बत्रा सहित अनेक चिकित्सकों के योगदान को एच.एम.ए.आई. भुला नहीं सकती तथा डॉ. जी. एन. मुखर्जी, डॉ. एस. आई. हुसैन, डॉ. आर. के. देसाई, डॉ. जे. एस. खन्ना, डॉ. के. वी. जॉन ने उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया है।

वर्ष 2003 में भारत सरकार ने आयुष विभाग का गठन किया और होम्योपैथी कालांतर में आयुष मंत्रालय से संचालित है वर्ष 2021 में राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग(एन सी एच) का गठन 5 जुलाई

2021 को किया गया जिसके अंतर्गत 258 होम्योपैथिक कालेजों का संचालन इसी आयोग के अंतर्गत संचालित हो रहा है एन सी एच के वर्तमान सेक्रेटरी तारकेश्वर जैन है ।

पद्मश्री पुरस्कार - भारत सरकार द्वारा पद्मश्री अवार्ड देने का प्रश्न है तो होम्योपैथी के प्रचार प्रसार में योगदान करने वाले 7 चिकित्सकों को 1956 से 2022 तक पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए जिनमें डॉ. के. जी. सक्सेना(1969), डॉ. कल्याण बनर्जी(2009), डॉ. जुगल किशोर(2012), डॉ. मुकेश बत्रा (2012), डॉ. बी. के. गुप्ता (2013), डॉ. श्रीमती अनिल कुमारी मल्होत्रा (2016) शामिल है।

डाक टिकट - 10 अप्रैल 1955 को होम्योपैथी पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकट जारी किया गया, दिनांक 6 अक्टूबर 1977 में अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथिक महासम्मेलन, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, में डाक टिकट जारी हुआ, 1990 में हैनीमैन पर डाक टिकट जारी किया गया। दिनांक 05.03.1995 को "होम्योपैथी संपूर्ण परिवार के लिए" विषय पर डाक टिकट जारी कि गयी तथा सन 2019 में डॉ. के. जी. सक्सेना पर डाक टिकट जारी किया गया। जहां तक डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण (स्पेशल कवर) का प्रश्न है तो छठवें ऑल इंडिया कांफ्रेस हैदराबाद में 25.12.1988 एवं 25-26 फरवरी 1989 को इंडो नेपाल होमियो मेडिकल कन्वेंशन लखनऊ में डाक कवर जारी किया।

हमाई में वर्तमान में 67 राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैं तथा 1975 से 2022 तक लगभग 4000 आजीवन सदस्य बनाये जा चुके है, जिसकी डायरेक्टरी का प्रकाशन 1990 में डॉ. जी. एन. मुखर्जी सेक्रेटरी जनरल द्वारा प्रकाशित की गई एवं सन 2018 में डॉ. इलताफ हुसैन सेक्रेटरी जनरल द्वारा पुनः संशोधित संस्करण प्रकाशित कराया जा रहा है यह बहुत ही लक्ष्य-भेदी कार्य है।

मुझे गर्व है कि, मैंने डॉ. जे. एन. कांजीलाल प्रथम अध्यक्ष एवं डॉ. डी. पी. रस्तोगी प्रथम महासचिव के संरक्षण में कार्य किया है तथा तब से आज तक सभी अध्यक्ष एवं महासचिवों के साथ निरंतर कार्य करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है, हमाई में मैं ज्वाइंट सेक्रेट्री जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, प्रांतीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय महामंत्री सहित अनेक पदों पर कार्य करने के कारण मैंने एच.एम.ए. आई. को बहुत नजदीक से देखा है। इस लेख को आप सभी सुधिजनों तक प्रस्तुत करने में हमाई सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार प्रकट करता हूं।

जय हैनीमेन **जय हमाई** **जय होम्योपैथी**

3 अप्रैल 2022 (वैशाखी)

HMAI OFFICE BEARER'S (1977-2022)

S.No.	Date	Place	President	Secretary General
1	27 Feb 1978 (1977-79)	Jamshedpur	Dr. J.N. Kanjilal	Dr. D.P. Rastogi
2	25 Dec 1979 (1979-81)	Calcutta	Dr. J.N. Kanjilal	Dr. D.P. Rastogi
3	21 Oct 1981 (81-83)	Jaipur	Dr. Jugal Kishore	Dr. Pradosh Majumdar
4	30 Dec 1983 (83-85)	Bombay	Dr. B. Bhattacharya	Dr. Pradosh Majumdar
5	21.04.1985 (84-85)	Calcutta	Dr. M.S. Chugh	Dr. J.S. Khanna
6	28.11.1985 (85-87)	Jabalpur	Dr.M.S.Chugh(Courtcase)	Dr. J.S. Khanna
7	11.10.1987 (87-89)	Hydrabad	Dr. Sohan Lal	Dr. J.S. Khanna
8	1989 -90 (90-92)	Delhi	Dr. Sohan Lal	Dr. J.S. Khanna
9	1992	Nagpur	Dr B V Dhakulkar	Dr S S Bahel
9	31.05.92	Nagpur (Adhok Committee)	Dr. B.V, Dhakulker Chairman (Court case)	Dr. G.N. Mukherjee Convenore
10	22.12.92 (92-94)	Nagpur	Dr. B.V. Dhakulkar	Dr. G.N. Mukharjee
11	19.12.94 (94-96)	Patna	Dr. D.P. Rastogi	Dr. G.N. Mukherjee
12	29.12.96 (96-98)	Cultatta	Dr. D.P. Rastogi	Dr. P. Wadgaonkar
13	06-12-1998 (98-2000)	Bangalore	Dr. J.S. Khanna	Dr. Mridul Sahani
14	8.1.2001 (2000-2002)	Khajuraho	Dr. Mahendra Singh	Dr. Mridul Sahani
15	3.02.2003 (2002-2004)	Patna	Dr. Mahendra Singh	Dr. V.C. Acharya
16	29.12.2004(2004-2006)	Jaipur	Dr. Mahendra Singh	Dr. V.C. Acharya
17	25.12.2006 (2006-2008)	Aurangabad	Dr. S.P.S. Bakshi	Dr. Bhaskar Bhatt
18	28.12.2008 (2008-2010)	Lucknow	Dr. S.P.S. Bakshi	Dr. Bhaskar Bhatt
19	19.12.2010 (2010-2012	Delhi	Dr. V.C. Acharya	Dr.Shyamal Mukherjee
20	23.12.2012 (2012-2014)	Kolkatta	Dr. V.C. Acharya	Dr.Shyamal Mukherjee
21	28.12.2014. 2016	Ahmadabad	Dr. Bhaskar Bhatt	Dr. S.I. Husian
22	2016.2018	-	Dr Bhaskar Bhatt	Dr S I Husain
23	2018.2020	Patna	Dr Ramji Sing	Dr Piyush Joshi
24	2020.2022	-	Dr Ramji Sing	Dr Piyush Joshi